प्रशिक्षण कार्यक्रम रिपोर्ट

Online Mode 5days "Mid – Career Training Programme for RPS OfficersWho Have Completed 8 Years Of Service"

दिनांक 19-10-2020 से 23-10-2020

राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर।

राजस्थान पुलिस अकादमीमें दिनांक **19-10-2020**से**23-10-2020**तक प्रथम **"Mid – Career Training Programme for RPS Officerswho Have Completed 8 Years of Service"**विषय परपांच दिवसीय **online** प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्चुअल क्लाश रूम में आयोजित किया गया। उक्त कोर्स हेतु राजस्थान पुलिस अकादमी के निदेशक श्री राजीवशर्मा, आईपीएस, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिसके निर्देशन मेंप्रबुद्ध वक्ताओं को व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राजस्थान के विभिन्न जिलों से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के 34प्रतिभागियोंने भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रमके प्रथम दिन09:30-10:00 AM तक प्रतिभगियों का पंजीकरण एवं कोर्स निदेशक द्वारा चर्चा की गई।10:10-11:30 AMपर प्रशिक्षण कार्यक्रमका उद्घाटन श्री एम.एल. लाठर, डीजीपी, राजस्थान, निदेशक, राजस्थान पुलिस अकादमी एवं अति0 महानिदेशक पुलिस श्री राजीव शर्मा द्वारा आदरणीय डीजीपी साहब का विधिवत स्वागत किया गया। तत्पश्चात निदेशक महोदय द्वारा इसMCTP की आवश्यकता, अवधारणा और औचित्य पर प्रकाश डाला।द्वितीय सत्र में श्री शीलवर्धन सिंह, आईपीएस, स्पेशल डायरेक्टर, इंटेलिजेंस ब्यूरो, भारत सरकार द्वारा आंतरिक सुरक्षा (अपराध, खुफिया और सीमा) विषय पर विस्तार से चर्चा की और प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया। तृतीय सत्र में श्री संजय सहाय, आईपीएस (सेवानिवृत्त) ने Challenging nature of crime and securityविषय पर अपना व्याख्यान दिया। प्रथम दिन के चतुर्थ सत्र में श्री पी.के. सिंह, आईपीएस, एडीजी, सीमा सुरक्षा बल, भारत सरकार ने Data Analytics in Policingविषय पर विस्तार से चर्चा की।

द्वितीय दिन के प्रथम सत्र में अजय पाल लांबा, आईपीएस, अपर पुलिस आयुक्त प्रथम, जयपुर आयुक्तालय ने Citizen Centric Policing: Best Practices Service delivery aspectsविषयपर चर्चा की। द्वितीय सत्र में श्रीरमेश अरोड़ा, प्रोफेसर, लोक प्रशासन (सेवानिवृत्त) ने Work Life Balance,Time Managementविषयपर अपना व्याख्यान दिया।तृतीय सत्र में श्री गौरव श्रीवास्तव, आईपीएस, डीर्आइजी, सीआईडी (सी.बी.) जयपुर ने स्मार्ट कार्यालय प्रबंधन विषयपर एवं चतुर्थ सत्र में श्री संजीव श्रीवास्तव, वरिष्ठमीडिया पर्सनने Communication skills Media management, Use of Social Mediaविषयपर अपना व्याख्यान दिया।

तृतीय दिवस के प्रथम सत्र में श्री एच.ओ. अत्री, जिला न्यायाधीश, वाणिज्यिक न्यायालय, जयपुर ने न्यायालयों में विचारण विषयपर अपना व्याख्यान दिया।द्वितीय सत्र में श्रीएस.एस.बिस्सा, आईएएस (सेवानिवृत्त) ने गांधीदर्शन और नैतिकता विषयपर अपना व्याख्यान दिया। तृतीय सत्र में श्रीमती प्रियंका व्यास, एसो0प्रो0 (एफएम), ओटीएस ने इमोशनल इन्टेलीजेन्स विषयपर विस्तार से चर्चा की। चतुर्थ सत्र में डॉ. विमल शर्मा, मैनचेस्टर विश्वविद्यालय, यू.के. ने **Mental Health: The unseen Challenge** विषयपर अपना व्याख्यान दिया।

चतुर्थदिन के प्रथम सत्र मेंसुश्रीशालिनी सिंह, व्याख्याता, मनोविज्ञान, एमडीयू, रोहतक ने **Leadership and Team building**विषयपर अपना व्याख्यान दिया। द्वितीय सत्र में सुश्री कंचन माथुर, प्रो0 आई.डी.एस., जयपुर ने जेंडर सेनिटाईजेशनविषयपर चर्चा की। तृतीय सत्र में श्री राहुल प्रकाश, आईपीएसअपर, पुलिस आयुक्त (**II)** पुलिस आयुक्तालय, जयपुर ने गौरव और उत्कृष्टता विषय पर व्याख्यान दिया। चतुर्थदिन के चतुर्थ सत्र में प्रो0 राधा रानी, एम.डी.आई., गुड़गांवने साइकोमट्रिक विश्लेशण विषय पर व्याख्यान दिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तिम दिन के प्रथम सत्र में श्री राजेंद्रचौधरी, आरएचजेएस, रजिस्टार जनरल, (सतर्कता),उच्च न्यायालय, राजस्थान ने आपराधिक न्याय प्रणाली में इन्टर एजेंसी समन्वय विषय पर व्याख्यान दिया। द्वितीय सत्र में श्री रोहित बलुजा, सड़क सुरक्षा संस्थान, दिल्ली ने सुरक्षित सड़के, सुरक्षित जीवन विषय पर व्याख्यान दिया। तृतीय सत्र में श्री शरत कविराज, डीआईजी, एसओजी, जयपुर ने **Computerization in Rajasthan Police**विषयपर अपना व्याख्यान दिया।प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र मेंमुख्य अतिथि श्री भूपेंद्र कुमार दक, आईपीएस, एडीजी,मुख्यालय एंव आयोजना आधुनिकीकरण, राजस्थान पधारे जिनका विधिवत स्वागत श्री सौरभ कोठारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सीओई), कोर्स डायरेक्टर द्वारा किया गया। मुख्य अतिथिद्वारा प्रबंधन और पुलिस के कल्याणविषय पर चर्चा के पश्चात प्रशिक्षणाथियों को प्रमाण पत्र और एक पुस्तक भी वितरित किये गये।

समापन सत्र के अन्त मेंD.I.G. आरपीए श्री कैलाश चन्द्र द्वारा मुख्य अतिथि महोदय को धन्यवाद ज्ञापित किया। तत्पश्चात्कोर्स विधिवत्सम्पन्न हुआ।